# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| Class: VIII | Department: Hindi (2nd Lang) | Date of submission: |
|---|---|---|
| Question Bank | Topic: सुदामा चरित - पाठ 5<br>मुहावरे,वाक्य शुद्धि | Note: Pls. write in your Hindi note book |

**प्रश्न अभ्यास -**

प्रश्न 1 – सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर - सुदामा की हालत देखकर श्रीकृष्ण को बहुत दुख हुआ। दुख के कारण श्री कृष्ण की आँखों से आँसू बहने लगे। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए पानी मँगवाया। परन्तु उनकी आँखों से इतने आँसू निकले कि उन्हीं आँसुओं से सुदामा के पैर धुल गए।

प्रश्न 2 – "पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।" पंक्ति में वर्णित भाव का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत दोहे में यह कहा गया है कि श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा सुदामा के आगमन पर उनके पैरों को धोने के लिए परात में पानी मँगवाया परन्तु सुदामा की दुर्दशा देखकर उनको इतना कष्ट हुआ कि उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए। अर्थात् परात में लाया गया जल व्यर्थ हो गया।

प्रश्न 3 – "चोरी की बान में हौ जू प्रवीने।"

(क) उपर्युक्त पंक्ति कौन, किससे कह रहा है?

(ख) इस कथन की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस उपालंभ (शिकायत) के पीछे कौन-सी पौराणिक कथा है?

उत्तर - (क) यहाँ श्रीकृष्ण अपने बालसखा सुदामा से कह रहे हैं कि तुम्हारी चोरी करने की आदत या छुपाने की आदत अभी तक गई नहीं। लगता है इसमें तुम पहले से अधिक कुशल हो गए हो।

(ख) सुदामा की पत्नी ने श्रीकृष्ण के लिए भेंट स्वरूप कुछ चावल भेजे थे। संकोचवश सुदामा श्रीकृष्ण को यह भेंट नहीं दे पा रहे हैं। क्योंकि कृष्ण अब द्वारिका के राजा हैं और उनके पास सब सुख-सुविधाएँ हैं। परन्तु श्रीकृष्ण सुदामा पर दोषारोपण करते हुए इसे चोरी कहते हैं और कहते हैं कि चोरी में तो तुम पहले से ही निपुण हो।

(ग) इस शिकायत के पीछे एक पौरोणिक कथा है। जब श्रीकृष्ण और सुदामा आश्रम में अपनी-अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। उस समय एक दिन वे जंगल में लकड़ियाँ चुनने जाते हैं। गुरूमाता

ने उन्हें रास्ते में खाने के लिए चने दिए थे। सुदामा श्रीकृष्ण को बिना बताए चोरी से चने खा लेते हैं। उसी चोरी की तुलना करते हुए श्रीकृष्ण सुदामा को दोष देते हैं।

प्रश्न 4 – द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या-क्या सोचते जा रहे थे? वह कृष्ण के व्यवहार से क्यों खीझ रहे थे? सुदामा के मन की दुविधा को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

उत्तर - द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा का मन बहुत दुखी था। वे कृष्ण द्वारा अपने प्रति किए गए व्यवहार के बारे में सोच रहे थे| वे कृष्ण के व्यवहार से खीझ रहे थे क्योंकि केवल आदर-सत्कार करके ही श्रीकृष्ण ने सुदामा को खाली हाथ भेज दिया था। वे तो कृष्ण के पास जाना ही नहीं चाहते थे। परन्तु उनकी पत्नी ने उन्हें जबरदस्ती मदद पाने के लिए कृष्ण के पास भेजा। उन्हें इस बात का पछतावा भी हो रहा था कि माँगे हुए चावल जो कृष्ण को देने के लिए भेंट स्वरूप लाए थे, वे भी हाथ से निकल गए और कृष्ण ने उन्हें कुछ भी नहीं दिया।

प्रश्न 5 – अपने गाँव लौटकर जब सुदामा अपनी झोंपड़ी नहीं खोज पाए तब उनके मन में क्या-क्या विचार आए? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – द्वारका से लौटकर सुदामा जब अपने गाँव वापस आएँ तो अपनी झोंपड़ी के स्थान पर बड़े-बड़े भव्य महलों को देखकर सबसे पहले तो उनका मन भ्रमित हो गया कि कहीं वे घूम फिर कर वापस द्वारका ही तो नहीं चले आए। फिर सबसे पूछते फिरते हैं तथा अपनी झोपड़ी को ढूँढ़ने लगते हैं।

प्रश्न 6 – निर्धनता के बाद मिलने वाली संपन्नता का चित्रण कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर - निर्धनता के बाद श्रीकृष्ण की कृपा से सुदामा को धन-सम्पदा मिलती है। जहाँ सुदामा की टूटी-फूटी सी झोंपड़ी हुआ करती थी, वहाँ अब स्वर्ण भवन शोभित है। कहाँ पहले पैरों में पहनने के लिए चप्पल तक नहीं थे और अब पैरों से चलने की आवश्यकता ही नहीं है क्योंकि अब घूमने के लिए हाथी घोड़े हैं, पहले सोने के लिए केवल यह कठोर भूमि थी और आज कोमल सेज पर नींद नहीं आती है, कहाँ पहले खाने के लिए चावल भी नहीं मिलते थे और आज प्रभु की कृपा से खाने को किशमिश-मुनक्का भी उप्लब्ध हैं। परन्तु वे अच्छे नहीं लगते।

## अति लघु प्रश्न

प्रश्न1-सुदामा द्वारपाल से क्या पूछ रहे थे?
उत्तर-सुदामा द्वारपाल से श्रीकृष्ण के महल के विषय में पूछ रहे थे ।
प्रश्न2-सुदामा के पाँवों में क्या लगे थे?
उत्तर-सुदामा के पाँवों में काँटे लगे थे ।

प्रश्न3-गुरुमाता ने सुदामा को बचपन में खाने को क्या दिया था?
उत्तर-गुरुमाता ने सुदामा को बचपन में खाने को चने दिए थे ।
प्रश्न4-सुदामा अपने गाँव आकर क्या खोज नहीं पाए?
उत्तर-सुदामा अपने गाँव आकर अपनी झोंपड़ी खोज नहीं पाए।
प्रश्न5-सुदामा की पत्नी ने श्रीकृष्ण को भेंट स्वरूप क्या भेजा था?
उत्तर-सुदामा की पत्नी ने श्रीकृष्ण को भेंट स्वरूप चावल भेजे थे ।

## वाक्य शुद्धि

### 1- सर्वनाम संबंधी वाक्य शुद्धि -

1 मेरे पास तेरे को देने के लिए कुछ नहीं है ।
उ - मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ नहीं है ।
2 उन्होंने कहाँ जाना है ।
उ- उन्हें कहाँ जाना है ।
3 हमारे को तुमसे कुछ काम है ।
उ- हमें तुमसे कुछ काम है ।
4 वह लड़के को बुला लाओ ।
उ- उस लड़के को बुला लाओ ।
5 यह अच्छी सब्जियाँ नहीं हैं ।
उ- ये अच्छी सब्जियाँ नहीं हैं ।
6 हमने हमारा भोजन समाप्त कर लिया है ।
उ- हमने अपना भोजन समाप्त कर लिया है ।
7 कोई लोग बाहर खड़े थे ।
उ- कुछ लोग बाहर खड़े थे ।

### 2-कारक संबंधी वाक्य शुद्धि

1 बच्चा छत पर से गिर गया ।
उ- बच्चा छत से गिर गया ।
2 पतंगें आकाश पर उड़ रहीं हैं ।
उ- पतंगें आकाश में उड़ रहीं हैं ।
3 मनोज ने अपना काम करना है ।
उ - मनोज को अपना काम करना है ।
4 उसको कपड़ा सिलना नहीं आता ।
उ - उसे कपड़ा सिलना नहीं आता ।
5 मेरे से अब चला नहीं जाता ।
उ - मुझसे अब चला नहीं जाता ।

**नीचे कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे दिए जा रहे हैं -**

1. अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) - माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
2. आँखें खुलना (होश आना) - जब पांडव जुए में अपना सब कुछ हार गए तो उनकी आँखें खुलीं।
3. आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) - ठग यात्री की आँखों में धूल झोंककर उसका सामान लेकर भाग गया।
4. ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना) - अरे आयुष! कहाँ रहते हो? तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
5. कमर कसना (चुनौती के लिए तैयार होना) - भारतीय सैनिक हर संकट के लिए कमर कसे रहते हैं।
6. खून-पसीना एक करना (कठोर परिश्रम करना) - खून-पसीना करके ही हम, अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।
7. गड़े मुर्दे उखाड़ना (पुरानी बातें दुहराना) - गड़े मुर्दे उखाड़कर रोने से कोई फायदा नहीं होता।
8. घोड़े बेचकर सोना (निश्चित रहना) - परीक्षा देने के बाद आयुष घोड़े बेचकर सो रहा है।
9. चिकना घड़ा (कुछ असर न होना) - नेहा पर किसी भी बात का कोई असर नहीं होता, वह तो चिकना घड़ा है।
10. छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हराना) - भारतीय क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के छक्के छुड़ा दिए।
11. धुन का पक्का (निश्चय पर स्थिर रहने वाला) - मनोज अपनी धुन का पक्का है, इस बार अवश्य सफलता प्राप्त करेगा।
12. हवा से बातें करना (बहुत तेज दौड़ना) - बाबा भारती का घोड़ा हवा से बातें करता था।

==========